केन्द्रीय विद्यालय संगठन
भोपाल संभाग
मैदा मिल के सामने,
भोपाल 462011-
दूरभाष क02550728(उपायुक्त)
2551678(सहायक आयुक्त)
2551699(प्र/0अ0वि(0अ0
फैक्स 25531260755'-:

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
BHOPAL REGION
Opp. Maida Mills,Bhopal-462011
Phone: 2550728 (DC)
2551678 (ACs)
2551699 (AO/FO)
Fax: 0755-2553126
E.Mail:acbhopal@yahoo.com

फा0सं0डी0ओ/2016/केविसं(भोपाल) दिनांक 26/07/2016

प्रिय प्राचार्य गण,

विद्यालय के प्रदर्शन में उतार चढ़ाव प्राचार्य के शैक्षणिक नेतृत्व के कारण आते हैं । कृपया याद रखिए कि यही बात केविसं के माननीय आयुक्त महोदय ने अपने तीन घण्टे के भाषण में अभिव्यक्त की थी। यद्यपि सिर्फ यह जान लेना कि शतप्रतिशत सफलता कैसे प्राप्त करनी है, युद्ध को आधा जीत लेने के समान है। नेतृत्व को समझना और वास्तव में नेतृत्व करना दो अलग-अलग बाते हैं।

स्वयं को उस व्यक्ति से जो नेतृत्व को समझता है से उस व्यक्ति में रूपांतरित करना जो विद्यालय को सफल नेतृत्व प्रदान करता है,का आधार ही चरित्र है। आपके चारित्रिक गुण ही या तो आपकी नेतृत्व क्षमता को क्रियान्वित और सशक्त करते हैं अथवा आपकी सफलता के मार्ग में बाधक बनते हैं।

लीडर प्रभावी होते हैं क्योकि उनके अंदर ये गुण विद्यमान होते हैं। सफलता के उच्चतम लक्ष्य तक पहुॅचने के लिए आपको उन चारित्रिक गुणों को अपने अंदर विकसित कर उसे बाहर परिलक्षित करना होगा (जिसे हम **TKS** कहते हैं)। यदि आप कुशल शैक्षणिक नेतृत्व प्रदान करना चाहते हैं तो आपको इन गुणों को अंदर से विकसित करना होगा तभी आप बाहरी रूप से वह नेतृत्व प्रदान कर सकेंगे और तब आप पाएगें कि इस संसार में ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे आप पूरा न कर सकें।

<u>यहाँ कुछ सुझाव हैं:-</u>

1. **कार्यक्षेत्र में स्वयं को संपूर्ण रूप से शामिल करें** - यदि आपने स्वयं को शैक्षणिक कार्य से अलग कर लिया है तो नियमों के अनुरूप पुन: इसमें शामिल हों । शैक्षणिक कार्य के लिए सर्वप्रथम स्वयं को पुन: प्रतिबद्ध करें एवं उस ओर अपना संपूर्ण ध्यान देने के लिए संकल्प लें। दूसरा यह जानने का प्रयास कीजिए कि आप इस कार्य से अलग क्यों हुए। क्या आपको नई चुनौतियों की आवश्यकता है ? क्या आप अपने सहकर्मियों से अंतर्द्वंद के शिकार हैं? समस्या के स्रोत को पहचानें और उसे दूर करने की योजना बनाएं।
2. **मानकों को पुन: परिभाषित करें** - यदि आप उच्च कोटि का कार्य निष्पादन नहीं कर पा रहें तो अपने मानकों का परीक्षण पुन: करें । क्या आप धीमी गति से कार्य कर रहे हैं? क्या आप शार्ट कट अपनाना चाह रहे हैं ? यदि ऐसा है तो अपने मस्तिष्क का **reset button** दबाएं और स्वयं के लिए उच्च स्तर की अपेक्षाएं निर्धारित करें ।
3. **सुधार के लिए तीन तरीके खोजें**- कोई भी व्यक्ति अपने कार्य में तब तक सुधार नहीं कर सकता जब तक वह मन से उसे सुधारने का निश्चय न कर ले। एक छोटी सी खोज करें ,जिसमें आप उन तरीकों को तलाशें जिससे आप अपने व्यवसायिक कौशल को बढ़ा सकें और तब उन तरीकों को अपनाने में अपना समय लगाएं । मैं उन तरीकों को जानने के लिए उत्सुक हूँ ।
4. **प्रतिदिन आगे बढ़ें -** आप केवल अपने मानकों के स्तर से ही जाने जाते हैं। आपने पिछली बार कब एक ऐसा सर्वश्रेष्ठ कार्य किया जिसके बारे में आपके अतिरिक्त किसी को ज्ञात नहीं है?
5. **एक सिद्धांत का अनुसरण करें**-यह एक मुहावरा हो सकता है जिसे हमने हजारों बार सुना है: मैं अपने लक्ष्य का पीछा एक जंगली बिल्ली की तरह करूँगा। (हम इसे 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम के रूप में मान सकते हैं)
6. **दृढ़संकल्पित रहें** -जब आप 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त करने का दृढ़संकल्प ले लेते हैं, तो असफलता कारी शक्तियॉ भाग खड़ी होती हैं । इससे सफलता के बने रहने का प्रोत्साहन मिलता है और वह निश्चित रूप से आपके पीछे आऐगी। इस तरह आपका स्टाफ भी अपना सर्वोत्तम देगा।
7. **विजयी होने के लिए वापसी करें**- अवसर को केवल देखें ही नहीं अपितु उसे जकड़ लें । गिरने पर संभलकर वापस मैदान में आएं। सफलता को अपनी आदत बना लें और कार्य को वाक्य के रूप में नहीं एक चुनौती के रूप में लें ।

8. **MRAP & Error Analysis and Academic adoption-** इन क्रियाविधियों का प्रयोग गंभीरता से करें और दी गई सलाह के अनुरूप शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त करें ।

इन गुणों को आत्मसात करें और 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त करके उस प्रकार के शैक्षणिक लीडर बनें जिसका दूसरे अन्य अनुसरण करना चाहें ।

मैं आपको सुझाव देता हूँ कि इस वर्ष के लिए वास्तव में कुछ बड़ा करें जिसके प्रति आपने उच्च स्वर में वचनबद्धता अभिव्यक्त की थी।

कृपया पावती भेजें ।

यह पत्र उपायुक्त महोदय के दिनांक 21.07.2016 के पत्र के हिन्दी रूपांतरण का प्रयास है ।

भवदीय

(डॉ(श्रीमती) बी0कौर)
सहायक आयुक्त

प्राचार्य
समस्त केन्द्रीय विद्यालय
भोपाल संभाग

प्रतिलिपि:- 1 सहायक आयुक्त केविसं क्षे0का0भोपाल को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु । वे के0वि के नरीक्षण के दौरान प्राचार्यों/ प्रभारी प्राचार्यों की कक्षाओं का अनुवीक्षण करेंगे। साथ ही 100 प्रतिशत परीक्षा प्ररिणाम प्राप्त करने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा की खोज करेंगे एवं शिक्षकों को समुचित मार्गदर्शन प्रदान करेंगें ।